MDA से पहले की गतिविधियाँ :

प्रथम भ्रमण (MDA राउंड से 15 दिन पूर्व) के दौरान :

- अपने क्षेत्र के सभी घरों की सूची तैयार करना जिसमें उन घरों में रहने वाले सभी लोगों का नाम, उम्र, लिंग, ऊंचाई व पता दर्ज हो (परिवार रजिस्टर)।
- क्षेत्र के सभी परिवारों को MDA की तिथि के बारे में जानकारी देना तथा उनकी 'शंकाओं' का समाधान करना

द्वितीय भ्रमण के दौरान :

- घर घर जा कर परिवार के सभी उपलब्ध सदस्यों से मिलना तथा उन्हें फाइलेरिया रोग व उनसे होने वाली परेशानियों तथा उसके बचाव के तरीकों के बारे में बताना।
- MDA का महत्व व उसके फायदे समझाना।
- MDA की तारीख बताना और ये भी बताना कि दवा किस समय खिलवाई जाएगी।
- प्रचार-प्रसार का कार्य

MDA के दौरान :

- अपने पास पर्याप्त मात्रा में दवा, परिवार रजिस्टर, व फ्लैश कार्ड्स रखें।
- घर के सभी सदस्यों को उनके उम्र के अनुसार गोलियाँ दें तथा सुनिश्चित करें कि सभी लोग आपके सामने ही दवा खाएँ।
- अगर दवा खाने के बाद किसी तरह की परेशानी हो तो नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र जाने की सलाह दें।

एमडीए की खुराक हेतु सारणी

ऊंचाई (सेंटीमीटर में)	आइवर्मेक्टिन (एक गोली 3 मिलीग्राम)
89 से.मी. से कम	नहीं देना है
90-119 से.मी.	01 गोली
120-140 से.मी.	02 गोली
141-158 से.मी.	03 गोली
159 से.मी. से अधिक	04 गोली

उम्र	डी.ई.सी (एक गोली 100 मिलीग्राम)	अल्बेनडाजोल (एक गोली 400 मिलीग्राम)
2 साल से कम	नहीं देना है	नहीं देना है
2-5 साल	1 गोली	1 गोली
6-14 साल	2 गोलियाँ	1 गोली
15 साल तथा उससे बड़े	3 गोलियाँ	1 गोली

बिहार सरकार | फाइलेरिया मुक्ति अभियान | राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर मार्गदर्शिका

फाइलेरिया मुक्ति अभियान

''सुरक्षित दवा, भरोसा स्वास्थ्य का''

फाइलेरिया क्या है?

फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है जिसे सामान्यतः हाथीपाँव के नाम से जाना जाता है।

फाइलेरिया के लक्षण

- ✓ पैरों व हाथों में सूजन (हाथीपाँव) और हाइड्रोसील (अण्डकोष का सूजन)।
- ✓ किसी भी व्यक्ति को संक्रमण के पश्चात बीमारी होने में 5 से 15 वर्ष तक लग सकते हैं।

फाइलेरिया कैसे फैलता है ?

संक्रमित व्यक्ति भी सामान्य व्यक्ति की तरह ही दिखता है।

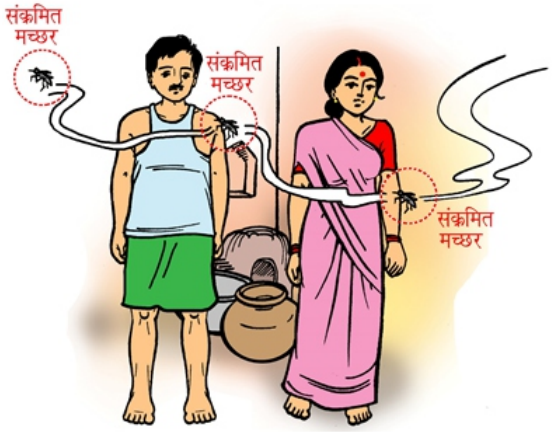

संक्रमित मच्छर स्वस्थ व्यक्ति को काटकर संक्रमित कर देते हैं।

फाइलेरिया से बचाव कैसे करे ?

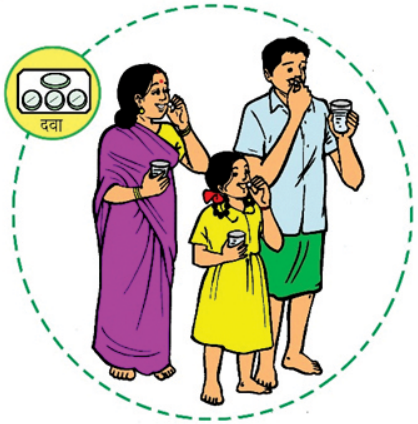

एम.डी.ए. के दौरान सरकार द्वारा मुफ्त में दी जाने वाली फाइलेरिया रोधी दवा खाएं

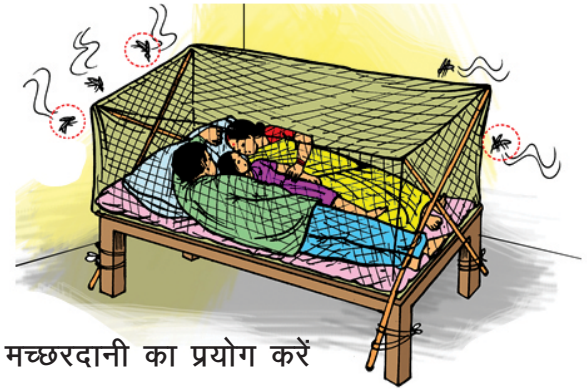

मच्छरदानी का प्रयोग करें

अपने आस-पास साफ-सफाई रखें

फाइलेरिया रोधी दवा के फायदे

एम.डी.ए. के दौरान डीइसी व अल्बेन्डाजोल के साथ आइवर्मेक्टिन दिए जाने से माइक्रोफ़ाइलेरिया जल्दी ख़त्म करने में मदद मिलती है। आइवर्मेक्टिन खुजली, व हुकवोर्म और जू जैसी समस्याओं के खात्मे में मदद करता है। इसके प्रयोग से पेट के अन्य खतरनाक परजीवी भी मर जाते हैं।

याद रहे

- दो साल से छोटे बच्चे, गर्भवती महिलायें एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को यह दवा नहीं देना है
- यह दवा खाली पेट नहीं खानी है
- आइवर्मेक्टिन पांच साल की उम्र के बाद ही दिया जाना है
- आइवर्मेक्टिन ऊंचाई के आधार पर तथा डीइसी एवं अल्बेन्डाजोल उम्र के आधार पर देना है
- हर पात्र व्यक्ति को अपने सामने ही दवा खिलाना है